

चड़जा नी मारा मोरलिया तू देवलिया री पोल



चड़जा नी मारा मोरलिया,
तू देवलिया री पोल,
थने कुणी आता वो,
दिखे पांवणा।bd।

वो चड़ जऊ ऐ मारी आद ज्वाला,
देवलिया री पोल,
मने ईन्दर पवन दिखें पामणा।bd।

ओ वषूओ नी मारा ईन्दर राजा,
मंजल मेवाड़,
आच्छा वषूओ नी हरीया डुंगरा।bd।

ओ लें लें नी मारा मोरलिया,
तु गेंद गला वालों हार,
मानें नदियां ऊतारो पेली तीर पे।bd।

ओ नी लु ऐ मारी आद ज्वाला,
मोतियां वालों हार,
माजी हथेलियां ऊतारू पेली तीर पे।bd।

ओ भरलो नी मारी आद ज्वाला,
मोतियां गज थाल,
भोला शंकर ने सिमरो लार में।bd।

ओ दिजे ऐ मारी आद ज्वाला,
याने बहन बेटा वाली झोड,
अणा थाने बेठाया गवरा सोवटे ओ।bd।



चड़जा नी मारा मोरलिया,
तू देवलिया री पोल,
थने कुणी आता वो,
दिखे पांवणा।bd।

गायक – जगदीश चन्द्र जटिया।
मोबाइल – 9950647154
प्रेषक – श्री धर्मराज बावजी स्टुडियो।
